हम यीशु की आज्ञा मानते हैं।

बच्चों को सिखायें कि यीशु मसीह के आज्ञाकारी चेले बने।

प्रार्थना : "हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है, कृपया इस अध्ययन को पढ़ने में बच्चो की सहायता कीजिये जिससे वे यीशु से प्यार करे और उसकी आज्ञा मानें। यीशु के पवित्र नाम में आमीन्"

बच्चों की सीखने की क्रिया कार्यक्रमो को चुनिये जो उनकी आयु व आवश्यकता अनुसार हो।

एक बड़ा बच्चा या शिक्षक मत्ती 7:24-29 में से बुद्धिमान और बेवकूफ मनुष्य को घर बनाने वाली कहानी को पढ़ें।

बच्चों से कहें कि सुनिये क्या होता है जब यीशु की शिक्षाओं को दो व्यक्ति भिन्न प्रकार से मानते हैं।

प्रश्न पूछें। उत्तर हर एक प्रश्न के बाद में है।

कौन से लोग बुद्धिमान घर बनाने वाले के समान हैं? *(आयत 24 देखें)*

हम यीशु मसीह के वचनो को किस प्रकार मान सकते हैं। *(आयत 24 देखें हम उसको माने और अभ्यास करें जो यीशु मसीह ने क्या कहा है।)*

कौन से लोग बेवकूफ घर बनाने वाले के समान हैं? *(आयत 26 देखें)*

किस कारण बेवकूफ मनुष्य का घर गिर पड़ा? *(आयत 27 देखें)*

यीशु के कौन से पढ़ाने के तरीके से भीड़ अचंभित होती थी? *(आयत 28-2 देखें। यीशु अधिकार से शिक्षा देते थे)*

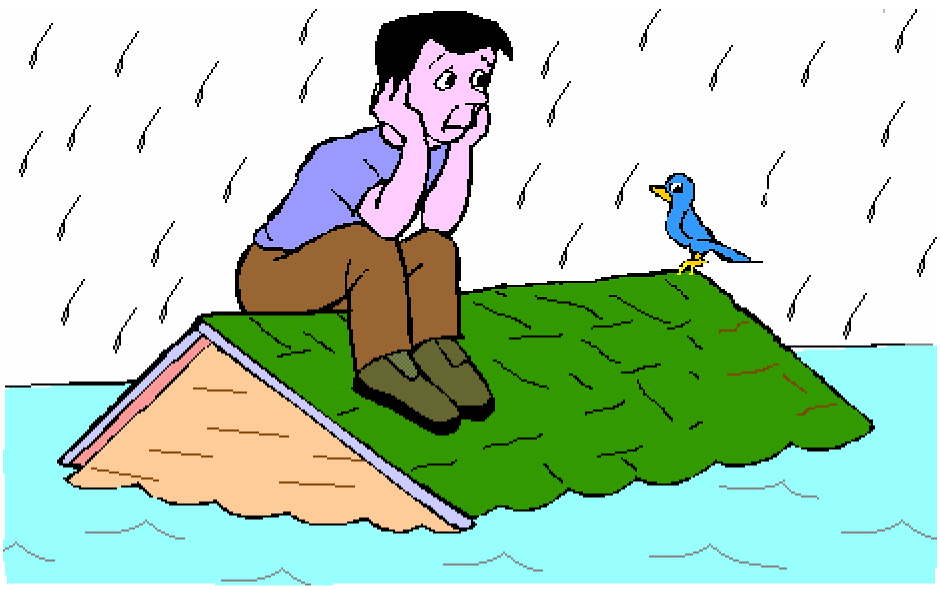

एक मनुष्य जिसने अपना घर रेत पर बनाया

दो घर बनाने वालो की कहानी के आधार पर नाटक तैयार करे। मत्ती 7:24-29 पढ़े। आराधना के समय कलीसिया के अगुवों के साथ मिलकर कार्यक्रम बनायें जिसमें बच्चे नाटक प्रस्तुत करें। समय व्यतीत करें बच्चों को नाटक का अभ्यास करवाने में।

बड़े बच्चे या वयस्क इन पात्रों को करें:

- **वाचक :** कहानी को छोटा करके इन लाईनो को बच्चों को याद करवायें।
- **यीशु**

जवान बच्चे इन पात्रों से को करें:

- बुद्धिमान घर बनाने वाला (चट्टान बनाये या ईटों से)
- बेवकूफ घर बनाने वाला (चट्टान बनानें के लिए ब्लाक बनाये या ईटों से)
- तूफान (बहुत सारे बच्चे)

वाचक : आयत 24-25 में से कहानी का पहला भाग सुनायें। कहें "सुनिये यीशु क्या कहते हैं?"

यीशु : जो कुछ मैंने कहा है अगर अपने जीवन में उसका अभ्यास करें तो बुद्धिमान घर बनाने वाले के समान हैं।

बुद्धिमान घर बनाने वाला : घर बनाने वाले टुकड़ो को एक दुसरे के ऊपर रखे और कहें मैं इस मजबूत चट्टान पर घर बनाता हूँ। मैं यीशु मसीह का आज्ञाकारी शिष्य हूँ।

तूफान : बने हुये घर पर तेज फूक मारें (ऊपर से धक्का नहीं दें)

वाचक : आयत 25-29 को पढ़कर दूसरे भाग की कहानी बतायें "सुनिये यीशु क्या कहता है।"

यीशु : "अगर तुम केवल सुनते हो पर मानते नही, जो मैं कहता हूँ, तो बेवकूफ घर बनाने वाले के समान हो।

मूर्ख घर बनाने वाले : खाँचो को एक दूसरे के ऊपर रखें। कहें, "मैं केवल यीशु को सुनता हूँ। मैं रेत पर घर बना रहा हूँ। यह बनाने में आसान है।

तूफान : खाँचों को धक्का दें। कहें "कैसी अद्भुत बात। यीशु लोगों से चाहते हैं कि उनको आज्ञा माने और दूसरा शिक्षक प्रयास करते कि लोग केवल सुने।

वाचक : धन्यवाद करे सभी लोगों का जिन्होंने इस नाटक में हमारी सहायता की।

अगर बच्चे वयस्क लोगों के लिये नाटक करते हैं उनसे भी ऊपर लिखित प्रश्न पूछें।

बच्चों से कहें: वह कौन सी आज्ञा है जिसे यीशु ने हमें करने और मानने को कहा है? (बच्चे उदाहरण दें)

एक घर चट्टान पर बनाया गया।

बड़े बच्चे एक गीत, कहानी या कविता लिखें। या चित्र बनायें इससे दर्शायें कि यीशु क्या कहते हैं। "अगर मुझे प्यार करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानो। (यहून्ना 14:15)

एक चट्टान पर घर का चित्रण करें। और बच्चे उसकी नकल करें।

- बड़े बच्चे जवान बच्चो की सहायता करें।
- बच्चे वयस्कों को आने वाली आराधना के समय चित्रों को दिखाकर समझा सकते हैं कि यीशु द्वारा कहें गये वचनों को चित्रों में किस प्रकार समझाया जा सकता है। विश्वासी न केवल सुने परन्तु जो यीशु ने कहा है वैसा करें भी।

लूका 11:28 याद करें।

कविता चार बच्चे जिन में से प्रत्येक बच्चा भजन संहिता 18:2,7,15 और 16 ऊँचे स्वरों में गायें। वह वयस्को के लिए भी गायें।

प्रार्थना : "परमेश्वर हम आपके वचनों को सुनने है प्रेम से हम इनको अभ्यास में लेना चाहते हैं। हम उस चतुर घर बनाने वाले के समान बनना चाहते हैं, और अपने घर मज़बूत चट्टान पर बनाना चाहते हैं। यीशु आप का धन्यवाद हो कि आपने हमें अन्नतकाल का जीवन दिया है जिसे कोई तूफान या मुसीबत नष्ट नहीं कर सकते।"